भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 787
दिनांक 07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर
एनीमिया के मामलों की व्यापकता

787. श्री रमासहायम रघुराम रेड्डी:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार को देश में महिलाओं और बच्चों में एनीमिया के मामलों की उच्च व्यापकता के बारे में जानकारी है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा विगत तीन वर्षों के दौरान देश में इस रोग से प्रभावित अनुमानित जनसंख्या, विशेषकर एनीमिया से ग्रस्त गर्भवती महिलाएं, राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार तथा वर्षवार कितनी है;
- (ग) सरकार द्वारा इस संबंध में स्थिति से निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है; और
- (घ) एनीमिया मुक्त भारत पहल के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (2019-21) के अनुसार, देश भर में महिलाओं (15-49 वर्ष) में एनीमिया की व्यापकता 57.0 प्रतिशत है और देश भर में बच्चों (6-59 माह) में एनीमिया की व्यापकता 67.1 प्रतिशत है।

(ख) राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (2019-21) के अनुसार देश भर में गर्भवती महिलाओं (15-49 वर्ष) में एनीमिया की व्यापकता 52.2 प्रतिशत है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (2019-21) के अनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग) और (घ) भारत सरकार छह कार्यकलापों का कार्यान्वयन करके जीवन चक्र दृष्टिकोण में महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की व्यापकता को कम करने के लिए एनीमिया मुक्त भारत कार्यनीति लागू करती है- प्रोफीलेक्टिन आयरन और फोलिक एसिड अनुपूरण; आईएफए सीरप 6-59 महीने के बच्चों को सप्ताह में दो बार दिया जाता है, प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं को आईएफए रेड टैबलेट साप्ताहिक रूप से प्रदान की जाती है

और आईएफए रेड टैबलेट गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को 180 दिनों के लिए प्रतिदिन प्रदान की जाती है; कृमि मुक्ति (राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दौरान सभी बच्चों को एल्बेंडाजोल गोलियां प्रदान की जाती हैं), व्यवहार परिवर्तन सम्प्रेषण अभियान में तेजी लाना, एनीमिया की जांच और प्रबंधन प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार, जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आईएफए से पुष्ट भोजन का अनिवार्य प्रावधान और मजबूत संस्थागत तंत्रों के माध्यम से एनीमिया, विशेष रूप से मलेरिया, फ्लोरोसिस और हीमोग्लोबिनोपैथी के गैर-पोषण संबंधी कारणों को दूर करना।

एचएमआईएस के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 (दिसंबर 2024 तक) में 6-59 महीने की आयु के 45.3 प्रतिशत बच्चों को आईएफए सीरप और 95.0 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को आईएफए रेड टैबलेट प्रदान की जाती हैं।

दिनांक 7 फरवरी 2025 को उत्तर के लिए लोकसभा अतारंकित प्रश्न संख्या 787 के उत्तर के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार गर्भवती महिलाओं (15-49 वर्ष) में एनीमिया की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार व्यापकता

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत जो एनीमिया ग्रस्त हैं
आंध्र प्रदेश	53.7
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	53.7
अरुणाचल प्रदेश	27.9
असम	54.2
बिहार	63.1
चंडीगढ़	*
छत्तीसगढ़	51.8
दादरा और नागर हवेली और दमन एवं दीव	60.7
गोवा	41.0
गुजरात	62.6
हरियाणा	56.5
हिमाचल प्रदेश	42.2
जम्मू और कश्मीर	44.1
झारखंड	56.8
कर्नाटक	45.7
केरल	31.4
लद्दाख	78.1
लक्षद्वीप	20.9
मध्य प्रदेश	52.9
महाराष्ट्र	45.7
मणिपुर	32.4
मेघालय	45.0
मिजोरम	34.0
नागालैंड	22.2
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	42.2
ओडिशा	61.8
पुडुचेरी	42.5
पंजाब	51.7
राजस्थान	46.3
सिक्किम	40.7
तमिलनाडु	48.3
तेलंगाना	53.2
त्रिपुरा	61.5
उत्तर प्रदेश	45.9
उत्तराखंड	46.4
पश्चिम बंगाल	62.3
*प्रतिशत डाटा उपलब्ध नहीं है।	